

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

FOR IMMEDIATE RELEASE

Press Note No: PRD/Press Note/23/2018-19

18 January 2019

BIS releases first ever National Standard on Bullet Resistant Jacket

Bureau of India standards (BIS) recently released the newly published first ever National Standard on Bullet Resistant Jacket. It was released in an event organized jointly with FICCI. This has placed India in the select League of Nations like US, UK and Germany who have their own National Standard on the subject.

This Indian Standard (IS 17051:2018) prescribes the minimum performance requirements of bullet resistance jackets for protection against small arms and ammunition and provides procedures for their evaluation. This standard is expected to fulfil the long pending needs of Indian Armed Forces, Paramilitary Forces and State Police Forces and will assist them in streamlining their procurement procedure. It will also ensure that only acceptable quality reaches the user which eventually leads to reduction in fatal casualties to the security forces wearing such bullet resistant jackets.

In his key note address, Prof. K Vijay Raghvan, Principal Scientific Advisor to the Government of India, emphasized that the standard shall be dynamic in nature and within the boundaries of constraints, latest technological development shall be kept incorporated in standard.

Smt. Surina Rajan, Director General, BIS, said, "Our work begins now as we have the indigenous capacity to go to the next level, i.e. use of lighter materials for jackets". She called upon the Defence and Paramilitary forces to implement the provisions of above standard on urgent basis to ensure the availability of good quality jackets.

Delivering the special address, Dr. G Satheesh Reddy, Secretary, Department of Defence R&D and Chairman, DRDO, appreciated the work done by BIS and assured all his support in implementation of standard in Indian Armed Force.

IS 17051:2018 defines five size designations based on chest/bust girth- XS (72-80 cm), S (above 80-88), M (above 88-96), L (above 96-104), XL (above 104-112). These jackets shall be designed ergonomically to minimize restrictions of movement by conducting field tests by trained personnel. It also includes the optional requirements of Quick release system, Dynamic weight distribution system and high buoyancy jackets and covers physical requirements like protection area of Soft armour panel (SAP) (Front, back, groin, neck, collar etc) and Hard armour panel (HAP), (Front, Back and side for 360° protection), maximum aerial densities of BR panels and Total weight of jacket. It also specifies the performance requirements for 6 threat level (Level 1 to 6) and can sustain the threat from 7.62 X 39 mm AK 47 with hard steel core bullet and 7.62 X 54 R armour piercer incendiary rounds.

The event was also addressed by Dr. Manjit Singh, Director, Terminal Ballistics Research Laboratory (TBRL); Shri Shishir Jaipuria, Chairman, FICCI Textiles Committee and CMD, Ginni Filaments Ltd.; Shri J K Gupta, Scientist 'D', BIS and Shri Vaibhav Gupta, Co-Chair, FICCI Homeland Security Committee and Director, MKU.

Alka
Deputy Director, PR
(9818029017)

भारतीय मानक ब्यूरो

तत्काल जारी करने हेतु

प्रेस नोट सं: पीआरडी /प्रेस नोट/23/2018-19

18

जनवरी 2019

बीआईएस ने बुलेट प्रतिरोधक जैकेट के प्रथम राष्ट्रीय मानक का विमोचन किया

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने हाल ही में बुलेट प्रतिरोधी जैकेट पर हाल ही में प्रकाशित प्रथम राष्ट्रीय मानक का विमोचन किया। इसका विमोजन फिक्की के साथ संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में किया गया। इसके परिणामस्वरूप भारत यूएस, यूके और जर्मनी जैसे उन चुनिंदा राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जिनके पास उक्त विषय पर अपने स्वयं के राष्ट्रीय मानक हैं।

यह भारतीय मानक (आईएस 17051: 2018) की ऐसी न्यूनतम कार्यकारिता अपेक्षाओं को निर्धारित करता है, जो छोटे हथियारों और गोला बारूद के खिलाफ सुरक्षा के लिए बुलेट प्रतिरोधक जैकेट और इसके मूल्यांकन की प्रक्रियाएँ प्रदान करता है। इस मानक से भारतीय सशस्त्र बलों, अर्धसैनिक बलों और राज्य पुलिस बलों की लंबे समय से लंबित जरूरतों को पूरा होने की उम्मीद है और यह उनकी खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने में उनकी सहायता करेगा। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि केवल स्वीकार्य गुणता वाले उत्पाद ही उपयोगकर्ता तक पहुंचें और अंततः इसके फलस्वरूप इस तरह की बुलेट प्रतिरोधी जैकेट पहनने वाले सुरक्षा बलों में हताहत होने वालों की संख्या में कमी लाई जा सके।

अपने मुख्य अभिभाषण में प्रो. के. विजय राघवन, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार ने इस बात पर जोर दिया कि मानक प्रकृति में गतिशील व उनकी कमियाँ सीमाओं के भीतर होनी चाहिए और नवीनतम तकनीकी विकास मानकों में शामिल किया जाना चाहिए।

श्रीमती सुरीना राजन, महानिदेशक, बीआईएस ने कहा, "जैसा कि अब हमारे पास अगले स्तर पर जाने अर्थात् जैकेट बनाने के लिए कम वजन की सामग्रियों के उपयोग हेतु स्वदेशी क्षमता है, अब हमारे कार्य की शुरुआत होती है।" उन्होंने तत्काल आधार पर अच्छी गुणता की जैकेटों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सशस्त्र एवं अर्धसैनिक बलों का उपरोक्त मानक के प्रावधानों को लागू करने का आह्वान किया।

विशेष अभिभाषण देते हुए डॉ. जी. सतीश रेड्डी, सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग तथा अध्यक्ष, डीआरडीओ, ने बीआईएस द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और भारतीय सशस्त्र सेना में इसके कार्यान्वयन में अपने सहयोग का आश्वासन दिया।

आईएस 17051: 2018 छाती/कमर के घेरे के आधार पर पांच साइज़ निर्धारित करता है – एक्सएस (72-80 सें.मी.), एस (80-88 से ऊपर), एम (88-96), एल (96-104 से ऊपर), एल (104-112 से ऊपर)। ये जैकेट प्रशिक्षित कार्मिकों द्वारा क्षेत्र परीक्षण करने के माध्यम से गतिविधि के न्यूनतम प्रतिबंध को कम करने हेतु श्रम-दक्षता की दृष्टि से डिज़ाइन की गई है। इसमें तीव्र विमोचन पद्धति, गतिशील वजन वितरण पद्धति तथा उच्च उत्प्लावक जैकेट की वैकल्पिक अपेक्षाएँ भी शामिल हैं और सॉफ्ट आर्मर पैनल (एसएपी) के क्षेत्र (सामने, पीछे, जांघ, गरदन, कालर आदि) तथा हार्ड आर्मर पैनल (एचएपी), (सामने, पीछे और 360 डिग्री सुरक्षा हेतु बगल) और बीआर पैनलों की अधिकतम एरियल घनत्वों तथा जैकेट का कुल वजन की वैकल्पिक अपेक्षाएँ भी शामिल की गई हैं। यह 6 खतरों के स्तर (स्तर 1 से 6) के लिए भी

कार्यकारिता अपेक्षाएँ विनिर्दिष्ट करता है और 7.62 X 39 मिमी AK 47 से हार्ड स्टील कोर बुलेट और 7.62 X 54 R कवच छेदक आग लगाने वाले राउंड से खतरे का मुकाबला कर सकता है।

इस कार्यक्रम में डॉ. मंजीत सिंह, निदेशक, टर्मिनल बॉलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (टीबीआरएल); श्री शिशिर जयपुरिया, चेयरमैन, फिक्की वस्त्रादि समिति और सीएमडी, गिन्नी फिलामेंट्स लिमिटेड; श्री जे.के. गुप्ता, वैज्ञानिक 'डी', बीआईएस तथा श्री वैभव गुप्ता, सह-अध्यक्ष, फिक्की होमलैंड सिक्यूरिटी कैमेटी और निदेशक, एमकेयू ने भी संबोधित किया।

अलका
उपनिदेशक, जनसंपर्क विभाग
9818029017



THANK YOU SPONSORS

mkul

TEIJIN
Human Chemistry. Human Solutions.

Release of Indian Standard on Bulk Resistant Bucket

Nov 10, 2019

MANJIT SINGH

G SATHEESH REDDY

K VIJAYRAGHAVAN

SURINA RAJAN

SHISHIR JAIP